

31-179

पत्रावली पेश हुयी। पत्रों के वसील व  
पत्रों का शक-२ कर और-२ अकाउंट  
बगल में रखे। पत्रों एवं उनके वसील उपस्थित  
नहीं थे अतः पत्रों का प्राथक प्रदत्त  
शकरी व प्रदत्त फरजी में खासियत किन्तु  
जैसा कि पत्रावली में उल्लेख है कि  
मकान के काम में काम शकियत प्रदत्त है